AnandNiketan
Maninagar Campus

Name :	Subject : हिंदी	Date : 9/7/19
Grade : IX	Periodic Test – 1	Practice Worksheet

Syllabus : P.T 1 (40 Marks – Written) (Weightage : 5marks) २. दुःख का अधिकार, ३.एवरेस्ट ९. रैदास व्याकरण : वर्ण-विच्छेद, अनुस्वार, अनुनासिक , नुक्ता	S.E.A (5 Marks) ग्रीष्मावकाश गृहकार्य (पत्रिका)	Multiple Assessment (5 Marks) भारतीय पर्वतारोहियों की सूची	Notebook (5 Marks) Completion of work Timely submission Neatness Index Correction work	Total Marks (20 Marks)

खंड - क

प्रश्न- १.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

सरलता मानव का स्वाभाविक गुण है| आडम्बर जीवन को जटिल बनाता है और हृदय में विकार उत्पन्न करके उसे कलुषित बनाता है| सरल, सहज और सादा जीवन हमें प्रकृति से जोड़ता है| अहंकार, आडम्बर आदि तुच्छ विचारों के कुप्रभाव से मनुष्य अब कृत्रिम बन रहा है| संसार में किसी भी देश में महान व्यक्तियों का अभाव नहीं रहा है | ऐसे व्यक्ति संसार में बहुत कम है, जो जन्म से ही विख्यात हुए हों | अधिकांशत: लोगों को यह ख्याति उनके चरित्रबल और उद्‌गम से ही प्राप्त होती है| संसार में ऐसे मनुष्य कम नहीं है, जिनका साधारण परिवार में जन्म हुआ किन्तु वे अपनी बुद्‌धि और लगन के कारण बहुत ऊँचे उठ गए हों | मनुष्य में विनय , उदारता , कष्ट- सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है| ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन या सादा बनाते हैं | सादा जीवन या सादगी का अर्थ है - रहन-सहन , वेशभूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर| मनुष्य को सादा जीवन जीना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए |

प्रश्न- १. प्रस्तुत गद्यांश में मनुष्य किस प्रकार कृत्रिम बन गया है ?
२. अधिकांशत: लोग किस प्रकार प्रख्यात होते हैं ?
३. 'कुप्रभाव' और 'अत्यावश्यक' में उपसर्ग बताइए |
४. चारित्रिक गुण व्यक्ति के जीवन को कैसा बनाते हैं ?
५. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

प्रश्न - २. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ , तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो !
हैं फूल रोकते , काँटे मुझे चलाते , मरुस्थल , पहाड़ चलने की चाह बढ़ाते,

सच कहता हूँ मुश्किलें न जब होती हैं , मेरे पग तब चलने में भी शरमाते,
मेरे संग चलने लगे हवाएँ जिससे , तुम पथ के कण-कण को तूफ़ान करो |
फूलों से डग आसान होता है , रुकने से पग गतिवान नहीं होता है ,
अवरोध नहीं तो संभव नहीं प्रगति भी , है नाश जहाँ निर्माण वहीं होता है
मैं बसा सकूँ नव स्वर्ग धरा पर जिससे , तुम मेरी हर बस्ती वीरान करो |

प्रश्न- १.कवि किस प्रकार मंज़िल पाना चाहता है ?

२. कवि के अनुसार यदि रग में बाधाएँ नहीं आतीं तो क्या संभव नहीं हो पाता ?

३. कवि धरती पर स्वर्ग बनाने हेतु क्या चाहता है और क्यों ?

खंड - ख

प्रश्न - ३. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण - विच्छेद कीजिए |

सूर्यकांत , लोकोक्ति , क्षत्रिय , प्राकृतिक , राष्ट्रीय , तारीखें

(ख) उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए :

आरम्भ, असङ्ख्य, सम्पूर्ण, पारपरिक, चचलता, व्यङ्ग्य

(ग) उपयुक्त स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए :

महगाई, क्रियाए, कुआ, रोटिया

(घ) उपयुक्त स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

कागज , जमींदार, फनकार, मजदूर, कॉफी

खंड - ग

प्रश्न - ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

१. भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था ?

२. बुढ़िया के दुःख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई ?

३. डॉ. मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दीं ?

प्रश्न - ५. लेखिका के तम्बू में गिरे बर्फ पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है ?

प्रश्न - ६. पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

१. 'जाकी छोति जगत काउ लागै ता पर तुहीं ढरै' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |

२. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है ? स्पष्ट कीजिये |

३. रैदास ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है ?

प्रश्न - ७. 'तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग - अंग बस समानी ' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए |

खंड -घ

प्रश्न - ८. आज की राजनीति पर दो मित्रों के संवाद लिखिए |

प्रश्न-९. बढ़ती हुई महँगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |